संचार अध्ययन एवं शोध विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय का प्रायोगिक पत्र

समाचार दर्पण

विशेषांक- मीडिया, तकनीक एवं कौशल विकास, कार्यशाला
26 से 31 दिसम्बर

वर्ष 2017-2018 / अंक 1

पृष्ठ संख्या-1

।। विचार ।।

विचार लो, उससे अपना जीवन बनाओ- उसके बारे में सोचो, उसका सपना देखो, उस विचार पर जीवन जियो। आपके दिमाग, मांसपेशियां, नसें, शरीर के हर हिस्से उस विचार से भरे हों और दूसरे हर विचार को अकेला छोड़ दो। यह सफलता का रास्ता है। - स्वामी विवेकानंद

एक दौर था, जब बच्चे सबसे पहले रोजगार के रूप में सिविल सेवाओं को चुनते थे, फिर उनकी पसंद होती थी बैंक की नौकरी और उसके बाद अन्य सेवाएं। किंतु आज मीडिया के आकर्षण से कोई नहीं बचा है। मीडिया जहां एक ओर जनता की सशक्त आवाज बन कर उभरा है, वहीं वह युवाओं की पहली पसंद भी बनता जा रहा है। ऐसा नहीं कि मीडिया के प्रति यह आकर्षण केवल शहरी क्षेत्रों में ही है, दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भी इसके प्रति आकर्षित होकर मीडिया में आते हैं। मीडिया केवल खबरों से ही नहीं जुड़ा है। मीडिया अपने आप में एक व्यापक शब्द है। जिसमें समाचार, मनोरंजन, ज्ञान, सब कुछ शामिल है। आज आप कोई भी समाचार पत्र ले लें तो इसमें आप अलग-अलग सप्लीमेंट पाएंगे और हर सप्लीमेंट में अलग-अलग विषयों पर सामग्री होती है। आज भी यही कहा जाता है कि यदि आगे बढ़ना है तो अखबार पढ़ो। अखबार मतलब खबरों का पिटारा। आज अखबार का कलेवर कुछ ऐसा है कि इसमें जीवन से जुड़े हर पहलू को समेट लिया जाता है। अब दूसरी ओर है टेलीविजन और इंटरनेट। टेलीविजन पर समाचार पढ़े जाते हैं, उनका विश्लेषण किया जाता है, मंथन किया जाता है। कमोबेश कम्प्यूटर पर भी इंटरनेट के माध्यम से आप ई-पेपर पढ़ सकते है। यानी मीडिया में रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं, बस आपको अपना विषय चुनना हैए अपना क्षेत्र पसंद करना है।

- प्रो. कपिलदेव मिश्र, कुलपति रादुविवि

मीडिया का उद्देश्य लोकमंगल व राष्ट्रहित -कुलपति प्रो. मिश्र

6 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

जबलपुर 26 दिसम्बर। मीडिया का उद्देश्य लोकमंगल व राष्ट्रहित होना चाहिए तभी समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को इसके सकारात्मक परिणाम देखने मिलेंगे। भारतीय परम्परानुसार पत्रकारिता के आदर्श नारद मुनि हैं, आज की मीडिया को भी इन्हीं भारतीय मूल्यों का पालन करना चाहिए। उक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने संचार अध्ययन एवं शोध विभाग, व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान तथा म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, भोपाल व विश्व संवाद केन्द्र न्यास, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 6 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

सारस्वत अतिथि युगधर्म के पूर्व सम्पादक श्री भगवतीधर बाजपेयी ने कहा कि पत्रकार का मूल कार्य जनता के प्रति जवाबदारी है। गरीब, पीड़ितों की आवाज उठाना मीडिया का बुनियादी काम है। ऐसे में नई पीढ़ी के पत्रकारों को तकनीक से तालमेल बनाकर चलना होगा। नई पीढ़ी को कम्प्यूटर और मोबाईल फ्रेंडली होना भी आवश्यक है।

मुख्य अतिथि पूर्व सम्पादक इंडिया टुडे श्री जगदीश उपासने ने कहा कि आज मीडिया चहुँओर विस्तारित हो चुका है। न्यू मीडिया के पास आज असीमित ताकत है, इसी के साथ उसकी जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं। मीडिया को इसी जिम्मेदारी को पहचानना होगा।

विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री नितिन महाराज, महंत, शारदाधाम, मैहर, प्रो. एस.के. सिंह, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता वि.वि., भोपाल, प्रो. उमा त्रिपाठी एवं कला संकायाध्यक्ष प्रो. राधिका प्रसाद मिश्र मंचासीन थे। संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने स्वागत भाषण का वाचन किया एवं विभागाध्यक्ष पत्रकारिता डॉ. धीरेन्द्र पाठक ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. अजय मिश्रा एवं डॉ. निपुन सिलावट ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. शैलेष कुमार चौबे, प्रो. आर.के. पाण्डेय, प्रो. एस.एन. बागची, प्रो. वाय.के. बंसल, डॉ. लोकेश श्रीवास्तव, डॉ. मीनल दुबे, डॉ. सत्यप्रकाश त्रिपाठी, रजनीश सिंह, मदन सिंह सहित पत्रकारिता विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

तकनीकी सत्र का आयोजन - राष्ट्रीय कार्यशाला के प्रथम दिवस द्वितीय सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में माखनलाल पत्रकारिता वि.वि., भोपाल के प्रो. श्रीकांत सिंह ने समाचार लेखन पर विद्यार्थियों को विषय की बारीकियों से अवगत कराया। पत्रकारिता विषय विशेषज्ञ प्रो. उमा त्रिपाठी ने अध्यक्षता की।

मीडिया में सफल प्रोफेशनल बनने के टिप्स

आज कोई भी कोर्स कॅरियर की गारंटी नहीं दे सकता है, लेकिन फिर भी कुछ ऐसे कोर्स होते हैं जिसे करने के बाद स्टूडेंट्स को नौकरी मिल जाती है। मास मीडिया को इसके अंतर्गत रखा जा सकता है। इन दिनों हर युवा जर्नलिस्ट बनना चाहता है, लेकिन सभी अपने सपने को साकार नहीं कर सकते हैं। प्रमुख कारण यह है कि इस क्षेत्र में सफल होने के लिए जिस तरह की योग्यताए क्षमता और धर्य की जरूरत पड़ती है, उस तरह की योग्यता सबके पास नहीं होती है। परिणाम यह होता है कि कोर्स करने के बावजूद उसे रोजगार नहीं मिल पाता है। इसके विपरीत जिसके पास जज्बा, जुनून और धर्य होता है, आगे बढ़ने के लिए हमेशा तत्पर रहता हैए हमेशा कुछ नया करने की जिज्ञासा और न्यूज सेंस होता है, उसे इस क्षेत्र में आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता है। अच्छी सैलरी के साथ ही विशेष सुविधा मीडिया को अन्यक्षेत्रों की अपेक्षा एक अलगआकर्षण और मजबूती प्रदान करता है और भीड़ से अलग भी रखता है। बहुत पहले की बात नहीं है जब साहित्य में डिग्री व उच्च श्रेणी की संवाद-क्षमता रखने वाले लोगों को पत्रकारिता व इससे जुड़े क्षेत्रों के लिए उपयुक्त माना जाता था। इस प्रोफेशन में आने के बाद युवा आम से खास हो जाते हैं और उनकी जिम्मेदारी काफी अधिक बढ़ जाती है, जो उन्हें सफलता के शिखर तक पहुंचाती है।

- प्रो. सुरेन्द्र सिंह, निदेशक कौशल विकास केन्द्र रादुविवि

बदलता समाज, बदलती मीडिया

किसी की प्रासंगिकता तभी तक बनी रहती है, जब तक खुद को समय और परिस्थितियों के अनुरूप बदलता रहता है। आज सभी चीजें तेजी से परिवर्तित हो रही हैं, सामाजिक सरोकार भी बदल रहे हैं। इस बदलाव ने मीडिया क्षेत्र को भी पूरी तरह से बदल दिया है। आज जब ब्लॉग्स का प्रचलन बहुत बढ़ गया है, कहा जाने लगा है कि कोई भी आसानी से पत्रकार बन सकता है परंतु जमीनी हकीकत यह है कि इसमें सफलता के लिए कठिन मेहनत और एक विशिष्ट नजरिया जरूरी है। टीवी पर फ्लैश होती न्यूज और उसके साथ दर्शकों की तीव्र-मंद होती सांसें या रोज सुबह ताजा खबरों की तलाश में अखबार का बेसब्री से इंतजार करते लोग, स्पष्ट करते हैं कि समाचारपत्र आज हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गए हैं। जरूरत है, तो इसकी विश्वसनीयता बनाए रखने की। कठिन परिश्रम व धैर्य का होना इस क्षेत्र में बहुत जरूरी है, क्योंकि इस क्षेत्र में ऊंचा मुकाम हासिल करने में समय लगता है। सफल होने के लिए जरूरी है कि आप हर काम को अलग ढंग से करें और लोगों की सोच और उनकी रुचि को समझते हुए सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते न्यूज परोसने की कोशिश करें। अगर आप इस कला में परफैक्ट बनते है, तो आपकी चमक और धमक औरों के मुकाबले काफी बेहतर होगी और आपको आम से खास होने में भी अधिक समय नहीं लगेगा।

- प्रो. उमा त्रिपाठी, पूर्व विभागाध्यक्ष पत्रकारिता विभाग रादुविवि

पत्रकारिता कोर्स और योग्यता

अगर आप मास कम्युनिकेशन की किसी शाखा में प्रवेश लेते हैं, तो आपको इससे जुड़े लगभग सभी पहलुओं की कवरेज करनी होगी। मसलनए रेडियोग, टेलीविजन, प्रिंट एंव वेब मीडिया, जर्नलिज्म, एडवरटाइजिंग, पब्लिक रिलेशन, इवेंट मैनेजमेंट, मीडिया लॉ, कम्युनिकेशन स्किल, फ ोटो जर्नलिज्म आदि। मास कम्युनिकेशन का प्रशिक्षण देने वाले संस्थान तो बहुत हैं, लेकिन अच्छे संस्थानों की सूची में उन्हीं को शामिल किया जा सकता है जिनके पास कई अनुभवी मीडिया पर्सनैलिटी फैकल्टी के रूप में उपलब्ध होती हैं। शॉर्ट टर्म डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स भी आप कर सकते हैं। मास मीडिया के किसी भी क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन करने के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है। पत्रकारिता एवं जनसंचार में परास्नातक तथा पीजी डिप्लोमा करने के लिए किसी भी स्ट्रीम से स्नातक होना अनिवार्य है। कई विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में एडमिशन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होते हैं। इस समय जर्नलिज्म के सभी कोर्स काफी अच्छे है। आप रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से इनमें से किसी भी कोर्स में अपनी रुचि के अनुरूप एडमिशन ले सकते हैं।

- डॉ. धीरेन्द्र पाठक, विभागाध्यक्ष पत्रकारिता विभाग

तनावमुक्त शिक्षक ही विद्यार्थियों को दे सकता है सकारात्मक ज्ञानः परम पूज्य श्री श्री रविशंकर

रादुविवि पं. कुंजीलाल प्रेक्षागृह में 'प्रबुद्ध युवा शक्ति संगम' का भव्य आयोजन

रादुविवि। जब शिक्षक तनावमुक्त और सकारात्मक उर्जा से भरा होगा तभी वह अपने विद्यार्थियों को ज्ञान और विद्या की सकारात्मक उर्जा से परिपूर्ण करने में सक्षम होगा। षिक्षकों का पद सम्मानीय है और जरूरत षिक्षकों को अपने प्रोफेशन से गौरव से देखने की है। स्कूल, कॉलेज और विष्वविद्यालयों को अपने विद्यार्थियों के सर्वागी8ण विकास के बारे में ध्यान देना जरूरी है इनमें मानवीय मूल्यों पर आधारित षिक्षा का खास स्थान होना चाहिए। उपरोक्त आव्हान विष्वविख्यात आध्यात्मिक गुरू परम पूज्य श्री श्री रविशंकर जी महराज ने षुक्रवार को रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजित 'प्रबुद्ध युवा शक्ति संगम' को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

सर्वप्रथम परम पूज्य श्री श्री रविशंकर जी महराज के विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश करते ही छात्र-छात्राओं द्वारा बुंदेली गौड़ी स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी गई। जिसका निर्देशन श्री संजय पाण्डेय एवं मार्गदर्शन डॉ. आर.के. गुप्ता द्वारा किया गया।

रादुविवि में आयोजित 'प्रबुद्ध युवा शक्ति संगम' का षुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष मुख्य अतिथि परम पूज्य श्री श्री रविशंकर जी महराज, विषिष्ट अतिथि माननीय महाधिवक्ता श्री पुरूषेन्द्र कौरव, कार्यक्रम अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र व संयोजक कुलसचिव डॉ. बी. भारती द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर हुआ।

स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि परम पूज्य श्री श्री रविशंकर जी महराज को अपने बीच पाकर पूरा विष्वविद्यालय परिवार स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। श्री श्री अपने आप में ज्ञान का सागर हैं, उनके ज्ञान रूपी प्रकाष से विष्व के कोने-कोने में भारतीय संस्कृति की आभा प्रज्ज्वलित हो रही है।

सबको गले लगाकर चलो-

अपने आध्यात्मिक सत्संग के दौरान परम पूज्य श्री श्री रविशंकर जी महाराज ने प्रबुद्ध वर्ग से रूबरू होकर कहा कि भारत की धरती में कुछ तो खास बात है तभी विदेषी तक यहां की सकारात्मक और आध्यात्म की उर्जा का लोहा मानते हैं। यहां के गरीब भी कम संसाधनों के बावजूद दिल से मुस्कराते है और मानसिक रूप से संतुष्ट रहते है। वहीं विदेष के पूंजीपति भी मन की षांति की तलाष में जुटे रहते हैं। उन्होने बताया कि जीवन में सफलता का मूलमंत्र है कि 'कुछ जान के चलो, कुछ मान के चलो और सबको प्रेम से गले लगाकर चलो'.....। उन्होने बताया कि विष्व के 155 देषों में आर्ट ऑफलिविंग के माध्यम से लोगों ने जीवन जीने की कला सीखी है और आर्ट ऑफलिविंग के ध्यान और सुदर्षन क्रिया षिविर का लाभ उठाया है।

समसामयिक जिज्ञासाओं का समाधान -

कार्यक्रम में अपने उद्बोधन के पष्चात आध्यात्मिक गुरू परम पूज्य श्री श्री रविशंकर जी महाराज ने विद्यार्थियों, प्राध्यापकों से लेकर प्रबुद्ध दर्षकों-श्रोताओं की समसामयिक जिज्ञासाओं का समाधान सवाल-जवाब के माध्यम से किया। राममंदिर निर्माण मामले में मध्यस्थता संबंधी प्रष्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि हर वर्ग के लोग अमन चाहते हैं और जब दोनों पक्षों के लोग आपस में आमराय होकर कोई कार्य करेंगे तो उससे देष में षांति स्थापित होगी। अगले प्रष्न के उत्तर में महिलाओं और छात्राओं के लिए संदेष देते हुए उन्होंने कहा कि महिलाएं भावना प्रधान होती हैं तभी वे परिवार और समाज को बांधने का कार्य करती हैं। उन्हें मन से मजबूत होने और सभी क्षेत्रों में पूरी सक्रियता के साथ आगे आना चाहिए। एक प्रष्न के उत्तर में श्रीश्री ने कहा कि भारत के सभी लोग राष्ट्रप्रेमी हैं और राष्ट्रप्रेम की भावना ही देष को मजबूत बनाती है। विद्यार्थियों में बढ़ती तनाव की प्रवृत्ति को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में श्री श्री ने कहा कि हमें देखना होगा कि हम मासूम बच्चों के दिमाग पर कितना बोझ दे रहे हैं। उन्होंने इसके लिए प्राथमिक षिक्षा से ही मानव मूल्यों पर आधारित षिक्षा पर ध्यान देने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन रादुविवि महिला अध्ययन केन्द्र प्रभारी डॉ. राजेष्वरी राणा ने किया। अंत में आभार प्रदर्षन कुलसचिव डॉ. बी. भारती द्वारा किया गया।

इस अवसर पर इंदिरा गांधी जनजातीय वि.वि., अमरकंटक के कुलपति प्रो. कट्टीमनी, पूर्व कुलपति प्रो. सुरेश्वर शर्मा, उद्योगपति एवं समाजसेवी डॉ. कैलाश गुप्ता, पूर्व महाधिवक्ता श्री रविनंदन सिंह, पूर्व महापौर श्रीमती सुशीला सिंह, प्रो. अलका नायक, संकायाध्यक्ष प्रो. राधिका प्रसाद मिश्र, प्रो. दिव्या चंसौरिया, प्रो. कमलेश मिश्र, परीक्षा नियंत्रक प्रो.

आवश्यकता है कि गठित हो शक्ति सम्पन्न मीडिया काउंसिलः प्रो. परमार

6 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस , तकनीकी सत्रों में हुए विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान

जबलपुर 27 दिसम्बर। वर्तमान समय में मीडिया की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कहीं मीडिया की आचार संहिता की बातें भी सामने आ रही हैं, ऐसे में जरूरी हो जाता है कि देष में शक्तियुक्त मीडिया काउंसिल ऑफ इंडिया का गठन हो। यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि वर्तमान में मौजूदा प्रेस काउंसिल ऑफइंडिया का इलेक्ट्रानिक मीडिया पर कितना कंट्रोल है। ऐसे बेबाक वक्तव्य कुशाभाउ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति माननीय प्रो. मानसिंह परमार ने विश्वविद्यालय में आयोजित मीडिया तकनीक एवं कौशल विकास विषय पर 6 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस आयोजित तकनीकी सत्र में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए।

राष्ट्रीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस में आयोजित तकनीकी सत्रों का शुभारंभ माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने किया। इस मौके पर उन्होंने युवा प्रशिक्षु पत्रकारों को कलम को ही अपना हथियार और लेखनी को अपनी पहचान बनाने का आव्हान किया।

मीडिया की आचार संहिता पर देना होगा ध्यान-

तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. परमार ने कहा कि जिस प्रकार कोई वकील और डॉक्टर बिना बार काउंसिल ऑफ इंडिया एवं मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के मानकों को पूरा किए प्रैक्टिस शुरू नहीं कर पाता, तो फिर समाज को जागरूक करने और लोकतंत्र के तीनों स्तंभों की कार्यप्रणाली की निगरानी करने वाला व्यक्ति किन मानकों को मानेगा, इसकी भी जवाबदेही तय होनी चाहिए और प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया को नियम, प्रावधानों के जरिए नियंत्रित और अनुशासित करने शक्ति सम्पन्न मीडिया काउंसिल ऑफ इंडिया का गठन होना चाहिए।

सरल हो मीडिया की भाषा-

तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक जयलोक के संपादक श्री अजीत वर्मा ने कहा कि आज की पत्रकारिता में आकर्षक प्रस्तुति महत्वपूर्ण हो गई है। प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया की भाषा सरल होनी चाहिए जो आम पाठक और दर्शक तक आसानी से अपना संदेष पहुंचा सके। पत्रकारिता मूल्यों का हनन होने से ही मीडिया की

शाख और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जो नैतिक मूल्य हैं, वही पत्रकारिता के मूल्य होते हैं जिनका इस क्षेत्र में रहते हुए ध्यान रखा जाना चाहिए। चतुर्थ तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. उमा त्रिपाठी ने युवा पीढ़ी से भारतीय मूल्यों पर आधारित नारदीय पत्रकारिता को अपनाने का आव्हान किया। प्रो. एस.के. सिंह ने मीडिया लेखन तकनीक की जानकारी प्रदान की। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. बैजनाथ गौतम ने जनमाध्यमों में उपयोग की जाने वाली भाषा की जानकारी देते हुए भाषाई खामियां और उन्हें दूर करने की तकनीक की जानकारी दी। वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक देशबंधु के संपादक दीपक सुरजन ने समाचार लेखन, संकलन व सम्प्रेषण की बारीकियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। तकनीकी सत्रों का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र पाठक एवं आभार प्रदर्शन कार्यशला संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने किया। इस अवसर पर महाकौशल महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) सेमुअल, डॉ. आर.के. गुप्ता, डॉ. प्रतिभा कुमार, डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, श्री रजनीश सिंह, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. मीनल दुबे, सुनील कुमार, शैलेन्द्र तिवारी सहित सभी प्रतिभागीगण उपस्थित रहे।

पत्रकारिता के लिए अति आवश्यक है जुनून का होना

6 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का चतुर्थ दिवस, तकनीकी सत्रों में हुए विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान

जबलपुर। पत्रकारिता के पेशे में जुनून का होना अति आवश्यक है, वर्तमान समय में जहां सभी क्षेत्र आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, तो इसका प्रभाव भी सभी अखबार संगठनों पर भी नजर आ रहा है। सभी मीडिया संस्थान आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इन चुनौतियों के बीच अगर देश में पत्रकारिता देख रही है तो इसके पीछे पत्रकारों का जुनून है जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी धाक जमाए हुए हैं।

उक्त विचार वरिष्ठ पत्रकार और दैनिक हिन्दी एक्सप्रेस के वरिष्ठ संपादक श्री रविन्द्र बाजपेयी ने 'मीडिया तकनीक एवं कौशल विकास' विषय पर आयोजित 6 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के चतुर्थ दिवस शुक्रवार को आयोजित तकनीकी सत्र में दी। राष्ट्रीय कार्यशाला के चतुर्थ दिवस में आयोजित तकनीकी सत्रों का शुभारंभ माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित वरिष्ठ सम्पादक श्री रविन्द्र बाजपेयी, डी.डी. स्टार के वरिष्ठ सम्पादक श्री गंगा पाठक एवं हिन्दुस्थान समाचार, भोपाल के डॉ. मयंक चतुर्वेदी का शॉल श्रीफल एवं तुलसी का पौधा देकर सम्मानित करने के साथ हुआ। स्वागत भाषण प्रो. उमा त्रिपाठी, पूर्व विभागाध्यक्ष पत्रकारिता विभाग ने प्रस्तुत किया।

समाचार एजेन्सियों की कार्यप्रणाली की जानकारी दी-

तकनीकी सत्र के आरंभ में विषय विशेषज्ञ हिन्दुस्थान समाचार, भोपाल के डॉ. मयंक चतुर्वेदी ने प्रतिभागियों को समाचार ऐजेन्सीज की कार्यप्रणाली के तकनीकी पक्षों की जानकारी देते हुए बताया कि सत्य, संवाद और सेवा के साथ समाचार ऐजेन्सी पल,पल की जानकारियां देने का कार्य पूरी तन्मयता से करती हैं। विषय विशेषज्ञ के रूप में वरिष्ठ सम्पाक श्री गंगा पाठक ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में ग्लैमर नहीं पत्रकारिता के मूल्य अधिक टिकाऊ हैं और यही निरंतर आगे बढ़ने के लिए जरूरी है। पत्रकारिता के क्षेत्र में पदार्पण करने वाले युवा पत्रकारों को चाहिए कि वे इस क्षेत्र में हमेशा कुछ नया सीखने की ललक कायम रखें।

निष्पक्ष होती है पत्रकार की कलम

तकनीकी सत्र के दूसरे चरण में वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक यश भारत के डायरेक्टर श्री आशीष शुक्ला ने बताया कि पत्रकारिता का क्षेत्र चुनौतियों भरा है। पत्रकार का कार्य घटना के सभी पहलुओं की जानकारी लेकर आम जनता तक पहुंचाना है और एक पत्रकार की कलम हमेशा निष्पक्ष होती है तभी वह अपनी खबरों के साथ न्याय कर पाता है। तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता कार्यशाला संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह व डॉ. मयंक चतुर्वेदी ने की । तकनीकी सत्रों का संचालन एवं आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र पाठक ने किया। इस अवसर पर डॉ. आर.के. गुप्ता, डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. अजय मिश्रा, श्री रजनीश सिंह, डॉ. मीनल दुबे, डॉ. उरूज फातिमा सहित सभी प्रतिभागीगण उपस्थित रहे।

'डिजिटल इंडिया एवं कैशलेस अभियान' पर कार्यशाला आयोजित

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय एवं म.प्र शासन की संस्थान मैप-आई.टी. के संयुक्त तत्वावधान में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता एवं श्री भगवत सिंह चौहान, पुलिस उप महानिरीक्षक, जबलपुर रेंज के मुख्य आतिथ्य तथा गणितीय विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. आर.के. पाण्डेय एवं सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. शैलेश कुमार चौबे, प्रभारी कुलसचिव श्री मेघराज निनामा, मैप-आई.टी. के श्री विनय पाण्डेय एवं श्री शिवम त्रिपाठी की विशेष उपस्थिति में 'डिजिटल इंडिया एवं कैशलेस अभियान' के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रबंधन संस्थान सभागार में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि डिजिटल इंडिया को व्यावहारिक धरातल में उतारना है। इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि कैशलेस डिजिटल इंडिया कैम्पेन पर कार्यशाला 30 नवम्बर 2016 को नोटबंदी के तुरन्त बाद विश्वविद्यालय में आयोजित की गई। बाद में इसे उदाहरण मानते हुए अन्य विश्वविद्यालयों में नोटबंदी पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति जी ने कहा कि कैशलेस को बढ़ावा देने से विश्वविद्यालय की आय में वृद्धि हुई।

मुख्य अतिथि पुलिस उप महानिरीक्षक श्री चौहान ने बताया कि डिजिटल इंडिया अभियान से लोगों की मानसिकता बदल रही है और समाज में सुखद बदलाव देखने को मिल रहा है। सभी भुगतान आनलाइन होने से भ्रष्टाचार के मामलों में बहुत कमी आई है। सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. शैलेश कुमार चौबे ने बताया कि आज के युवक तेजी से कैशलेस धारणा को अपना रहे है। भारत में पिछले वर्ष सबसे अधिक कैशलेस ट्रांजेक्सन हुआ।

गणितीय विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. आर.के. पाण्डेय ने कहा कि स्मार्ट फोन के चलते युवाओं में कैशलेस अर्थव्यवस्था में रुचि बढ़ी है।

कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक डॉ. अजय गुप्ता ने कार्यशाला की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विभिन्न कैशलेस पद्धतियों के सुरक्षात्मक उपयोग के बारे में प्रकाश डाला। भारत सरकार के भीम एवं अन्य कैशलेस विकल्पों के बारे में जानकारी दी।

संचालन डॉ. विनीता तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. निधि सक्सेना ने किया। इस अवसर पर वित्त नियंत्रक श्री सुरेश कतिया, उपकुलसचिव श्री शैलेन्द्र जैन, डॉ. विनय तिवारी, श्री के.के. दलाल, श्री अशोक तिवारी, डॉ. राजेन्द्र दुबे, श्रीकांत गौतम, मनीष, जितेश, भगत, कु. मणि नासेरी सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यशाला का समापन पूर्व कुलपति प्रो. जे.एम. केलर के मुख्य आतिथ्य, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. अंजना शर्मा, प्रो. पी. की. जैन, प्रो. सुरेन्द्र सिंह एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एस.एस. संधु की उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर श्री प्रभाश कुमार एवं श्री विनीत जैन, केईसी. इंटरनेशनल उपस्थित थे।

पोस्टर प्रजेन्टेशन, क्विज, डिजिटल थीम पर स्टेऊ टिजिक प्रतियोगिता का आयोजन-

कार्यशाला में छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रजेन्टेशन, क्विज, डिजिटल थीम पर स्टेऊटिजिक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता में ज्योति साहू प्रथम एवं जान्हवी श्रीवास रनर थे। स्टेऊ टिजिक में अंकिता तिवारी प्रथम एवं निधि तिवारी द्वितीय थे। क्विज में शुचिता, लवण्या, अंकिता एवं अंकित प्रथम एवं मोना, श्वेता, शिवानी, सचिन एवं श्रद्धा रनर रहे।

कार्यशाला को लेकर प्रतिभागियों के विचार

मै कटनी विश्व संवाद केन्द्र का सदस्य हूँ, मैं पत्रकारिता के बारे में थोड़ा बहुत जानता हूँ, इस राष्ट्रीय कार्यशाला में मुझे पत्रकारिता, रिपोर्टिंग, कैमरे आदि के बारे में विस्तारपूर्व जानकारी मिली और पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर को किस प्रकार सुधार कर उठाया जा सकता है इसके बारे में भी बताया गया। - **संचित जैन**

इस कार्यशाला में मीडिया के इतिहास, महत्व व वर्तमान स्थिती के बारे में जानकारी दी गई, यहां राष्ट्रीय स्तर के संपादक तथा कुलपति जैसे विद्यावानों से पत्रकारिता के बारे जानकारी मिली। मैं ने इस राष्ट्रीय कार्यशाला में विश्व संवाद केन्द्र के सदस्य के रूप में भाग लिया है, और मुझे यहां आकर अच्छा लगा। - **संदीप सिंघई**

इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, कई नयी नयी चीजे सीखने को मिली है यहां मुझे पत्रकारिता के बारे कई जानकारी प्राप्त हुई जो अब तक मुझे पता नही थी।
- **सचिन पुरोहित**

मैं अमरकंटक से आया हूँ, मुझे इस राष्ट्रीय कार्यशाला में आकर अच्छा लग रहा है मुझे पत्रकारिता का अनुभव है लेकिन जिस प्रकार कि जानकारी यहां पर दी जा रही है उससे मुझे एक नया मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। - **गंगाधुर्वे**

इस कार्यशाला में बहुत कुछ सीखने को मिला है मीडिया के नये नये क्षेत्रों के बारे में पता चला और मीडिया से जोड़े लोगो के लिए किस किस प्रकार की जॉब उपलब्ध है इस कि भी जानकारी मिली।
- **वृष्टि नारद**

यहां आकर मुझे अच्छा लगा, मैं पत्रकारिता की ही छात्रा हूँ और मुझे इस राष्ट्रीय कार्यशाला में पत्रकारिता के बारे मे विस्तारपूर्वक जानकारिया मिली, कि किस प्रकार पत्रकारिता के विभिन्न क्षेत्रों में काम किया जाता है।
- **काशिश पारवानी**

मैं रादुविवि से बीजेसी कर रही हूँ इस कार्यशाला में आकर मुझें रिपोर्टिंग,कैमरा व समाचार लेखन आदि के बारे में जानकारी मिली जो मुझें भविष्य में बहुत काम आएगी, मुझे इस कार्यशाला में आकर बहुत अच्छा लगा।
- **काजल गुप्ता**

मैं रादुविवि में एम ए मास कॉम. का छात्र हूँ, इस राष्ट्रीय कार्यशाला में आकर मुझे बहुत कुछ जाने को मिला, समय समय पर ऐसी कार्यशाला का आयोजन होते रहना चाहिए जिससे मुझ जैसे छात्रों को पत्रकारिता के बारे मे विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त होते रहे।
साकेत सिंह ठाकुर

मैं एम ए मास कम्युनिकेशन का छात्र हूँ मुझे इस राष्ट्रीय कार्यशाला में आकर बहुत अच्छा लगा, इस कार्यशाला में पत्रकारिता के बारे बहुत कुछ सीखने को मिला, पत्रकारिता के विभिन्न क्षेत्रों की विस्तारपूर्व जानकारी इस कार्यक्रम के मध्याम से प्राप्त हुई अतः ऐसे कार्यक्रम समय समय पर आयोजित होते रहना चाहिए जिससें छात्रों को मार्गदर्शन प्राप्त होता रहे।
ए राघवेन्द्र राव

सामाजिक सरोकार के लिए हो पत्रकारिता : प्रो. ओ.पी. सिंह

आरडीयू में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के पंचम दिवस विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान

जबलपुर। पत्रकारिता का ध्येय सामाजिक सरोकार होना चाहिए। न्यूज बनाने के लिए सूचनाओं और तथ्यों के संकलन के साथ घटना या मामले की बारीक समझ की भी आवश्यकता है। समाचार पूर्वाग्रह पर आधारित नहीं होना चाहिए क्योंकि यह फिर निष्पक्षता को बाधित करता है। उक्त जानकारी निदेशक, मदन मोहन मालवीय शोध संस्थान, काशी विद्यापीठ, वाराणसी प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने मीडिया तकनीक एवं कौशल विकास विषय पर 6 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के पंचम दिवस शनिवार को आयोजित तकनीकी सत्र में दी।

तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ.नागेन्द्र सिंह, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय यूनिवर्सिटी, अमरकंटक द्वारा प्रेस कांफ्रेंस के तकनीकी पक्ष को प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रतिभागियों को किस प्रकार प्रेस कांफ्रेंस की तैयारी करनी है। प्रेस कांफ्रेंस के लिए जाते समय किस प्रकार सवाल करने है और प्रेस कांफ्रेंस की रिपोर्टिंग किस प्रकार की जाती है।

शार्ट फिल्म बनाने का व्यवहारिक प्रशिक्षण -

तकनीकी सत्र के दूसरे चरण में वरिष्ठ पत्रकार पंकज पटेरिया ने समाचार और सम्पादकीय में अंतर स्पष्ट करते हुए, सम्पादकीय लेखन कला की जानकारी प्रदान की। इलेक्ट्रानिक मीडिया के विशेषज्ञ पंकज शाह ने सभी प्रतिभागियों को वीडियो कैमरे के संचालन और सम्पादन की जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार शार्ट फिल्में या डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का निर्माण किया जाता है। तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता प्रो. उमा त्रिपाठी, पूर्व विभागाध्यक्ष पत्रकारिता विभाग एवं कार्यशाला संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने की। तकनीकी सत्रों का संचालन एवं आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र पाठक ने किया। इस अवसर पर डॉ. आर.के. गुप्ता, डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. अजय मिश्रा, रजनीश सिंह, डॉ. मीनल दुबे, डॉ. उरूज फातिमा सहित सभी प्रतिभागीगण उपस्थित रहे।

सम्पादक- डॉ. धीरेन्द्र पाठक, सहयोगी- डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, श्री विकासचंद्र एवं समस्त संचार अध्ययन एवं शोध विभाग के छात्र-छात्राएं